MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI HELD ON 15th February, 2024 AT 02:30 PM

Vide Chowgule College notice (F133C/1341 dated February 2024) a meeting of this BOS was convened on 15th February 2024, at 02.30 pm through online Google Meet, Parvatibai Chowgule College of Arts and Science, Margao-Goa. Since the number of members of present represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Members present:

1. Dr. Pradeep R. Jatal	- Chairperson
2. Dr. Sandeep Lotlikar	- Academic Council Nominee
3. Prof. Soniya Sirsat	- Vice-Chancellor Nominee, Goa University
4. Shri. Satish Dhuri	- Industry Representative
5. Mr. Akbarali Shaikh	- Alumni
6. Ms. Alka Gawas	- Member Secretary
7. Mrs. Varsha Prabhugaonkar	- Member

Members Absent with Intimation: -

1. Dr. Brijpal Singh Gahloth	- Academic Council Nominee

Proceedings:

The Chairperson welcomed the members of the Board of Studies (BOS). The Chairperson introduced and explained the agenda for the meeting and read out the minutes of the previous B.O.S meet. The meet continued taking up the following agenda.

Agenda Items

Agenda:

1. Revision of CLO & Alignment of CLO to PLO/PO in accordance with NEP.
2. A.O.B.

P.O. Fatorda, Gogol-Margao, Goa 403602, Phone:0832-2722222, Fax: 0832 2759067, Email: principal@chowgules.ac.in

PART B: Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

1. PLO –1 भाषिक क्षमता, PLO-2 साहित्य की विविध विधाओं में चित्रित विविध विमर्शों, काव्य सिद्धांतों का आस्वादन, मूल्यांकन एवं प्रायोगिकता, PLO-3 जीवन मूल्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कर्तव्यों का अनुपालन, PLO-4 रोजगारपरक एवं व्यावहारिक विषयों का अध्ययन को बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
2. MDC और SEC कोर्सेस के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
3. VAC और AEC कोर्सेस के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार दो बनाया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

Member Secretary
Board of Studies
Dated: 29/02/2024

Chairperson
Board of Studies

Annexure A

Summary of the changes incorporated in CLOs

Semester	Course	Existing CLOs	Revised CLOs	Reason for revising
I	UG-HIN-MDC1 सृजनात्मक लेखन	1) सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, नाटक, डायरी, यात्रावृत्त) से परिचित होंगे। 2) सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय प्राप्त होगा। 3) सृजनात्मक लेखन के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित होंगे। 4) सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे।	1) सृजनात्मक लेखन के अवधारणा, स्वरूप महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता एवं लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) सृजनात्मक लेखन में कहानी एवं कविता लेखन के तत्वों से परिचित होंगे। 3) यात्रावृतांत एवं डायरी लेखन के तत्व और प्रकार से अवगत होंगे।	MDC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।
I	UG-HIN-VAC1	1) योग की अवधारणा,	1) योग की अवधारणा,	VAC कोर्स के अंतर्गत चार CLO

	योग शिक्षण	स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझेंगे। 2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझेंगे। 3) योग प्रशिक्षण हेतु तैयार होंगे। 4) योग के माध्यम से एक सकारात्मक जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित होंगे।	स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझेंगे। 2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझेंगे तथा योग प्रशिक्षण हेतु तैयार होंगे।	को इकाई के अनुसार दो बनाया गया।
I	**UG-HIN - VAC2** भारतीय संविधान :मूल्य, अधिकार एवं कर्तव्य	1) भारतीय संविधान का परिचय प्राप्त होगा। 2) भारतीय संविधान की प्रस्तावना से अवगत होंगे। 3) भारतीय संविधान में निहित	1) भारतीय संविधान का परिचय, प्रस्तावना एवं विशेषताओं से अवगत होंगे। 2) भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक	VAC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार दो बनाया गया।

		संवैधानिक मूल्यों से अवगत होंगे। 4) संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित होंगे।	मूल्य, संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित होंगे।	
I	**UG-HIN - SEC1** हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त करते हुए लेखन में सार्थक प्रयोग कर सकेंगे। 2) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 3) अभिनय कौशल में सक्षम होंगे। 4) पथनाट्य के माध्यम से	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप, सामाजिक सरोकारों के साथ तत्वों , का ज्ञान प्राप्त करते हुए लेखन में सार्थक प्रयोग कर सकेंगे। 2) नुक्कड़ नाटकों का तात्विक विवेचन करने में सक्षम होंगे। 3) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला,	SEC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।

		सामाजिक सरोकारों को अभिव्यक्त करेंगे।	अभिनय कौशल में सक्षम होंगे।	
II	**UG- HIN - MDC2** व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन	1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन से परिचित होंगे। 2) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे। 3) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होंगे। 4) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे।	1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे। 3) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होंगे।	MDC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।
II	**UG- HIN - VAC3** गोवा प्रदेश और	1) गोवा प्रदेश की	1) गोवा प्रदेश की	VAC कोर्स के अंतर्गत चार CLO

	पर्यटन	ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे। 2) पर्यटन के महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 3) प्रमुख पर्यटन स्थलों से अवगत होंगे। 4) पर्यटन में रोजगार के अवसर को उपलब्ध कराना।	ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि, पर्यटन का महत्त्व और उसकी आवश्यकता से अवगत होंगे। 2) प्रमुख पर्यटन स्थलों, भाषा, पर्यटन के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव से अवगत होंगे।	को इकाई के अनुसार दो बनाया गया।
II	**UG- HIN - AEC1** श्रवण एवं संभाषण कौशल	1) भाषा कौशल से अवगत होंगे। 2) श्रवण क्षमता का विकास होगा। 3) संभाषण कला विकसित होगी। 4) उत्तम श्रोता एवं वक्ता बनने में	1) भाषा कौशल के अंतर्गत श्रवण क्षमता का विकास होगा। 2) संभाषण कला विकसित होगी एवं उत्तम श्रोता एवं वक्ता बनने में सक्षम होंगे।	AEC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार दो बनाया गया।

		सक्षम होंगे।		
II	**UG- HIN - SEC2** हिंदी एकांकी	1) एकांकी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 3) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 4) एकांकी लेखन कला के साथ अभिनय, संवाद एवं प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे।	1) एकांकी की अवधारणा एवं स्वरूप, विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) एकांकी लेखन कला के साथ अभिनय, संवाद एवं प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे।	SEC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।
III	**UG- HIN - MDC3** लोक साहित्य	1) लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) लोक और साहित्य के अंत:संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे।	1) लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप तथा लोक और साहित्य के अंत:संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे। 2) लोक साहित्य	MDC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।

		3) लोक साहित्य के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट कर सकेंगे। 4) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझने में सक्षम होंगे।	के इतिहास और उसके प्रमुख रूपों के वर्गीकरण को स्पष्ट कर सकेंगे। 3) लोक संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को समझने में सक्षम होंगे।	
III	**UG -HIN - AEC2** वाचन एवं लेखन कौशल	1) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 2) हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम होंगे। 3) लेखन कला का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 4) सृजनात्मक लेखन कला में सक्षम	1) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकताओं से अवगत होकर हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम होंगे। 2) लेखन कला का स्वरूप, महत्व एवं आवश्यकता से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन कला में सक्षम होंगे।	AEC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार दो बनाया गया।

		होंगे।		
III	**UG- HIN - SEC3** हिंदी साहित्य और सिनेमा	1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत होंगे। 3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन करने में सक्षम होंगे। 4) साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझने में सक्षम होंगे।	1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से अवगत होंगे। 3) साहित्य पर आधारित फिल्मों का अध्ययन तथा साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझने में सक्षम होंगे।	SEC कोर्स के अंतर्गत चार CLO को इकाई के अनुसार तीन बनाया गया।

Annexure B

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO)

After successful completion of a three years Bachelor's degree in Hindi, the student will be able to:

PLO-1: भाषिक क्षमता	भाषा कौशल, भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं माध्यम लेखन के अध्ययन से भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PLO-2: साहित्य की विविध विधाओं में चित्रित विविध विमर्शों, काव्य सिद्धांतों का आस्वादन, मूल्यांकन एवं प्रायोगिकता।	साहित्य की विविध विधाओं, विमर्शों तथा काव्य सिद्धांतों के आस्वादन एवं मूल्यांकन द्वारा मानवीय संवेदना के साथ तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी तथा रंगमंचीय प्रयोगों से अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PLO-3: जीवन मूल्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कर्तव्यों का अनुपालन।	साहित्य में चित्रित जीवन मूल्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक तथा मानवी कर्तव्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।
PLO-4: रोजगारपरक एवं व्यावहारिक विषयों का अध्ययन।	हिंदी के रोजगारपरक स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता विकसित होकर रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।